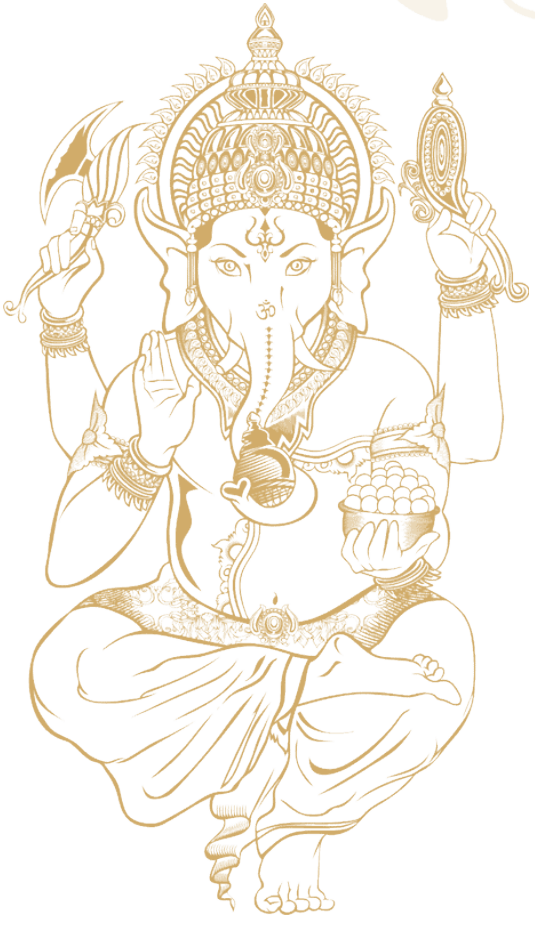

Rakhi Singh

05 Dec 1995

01:00 AM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121809406

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**4-05/12/1995**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**01:00:00 घंटे**
इष्ट	46:15:18 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:03:32 घंटे
वेलान्तर	00:10:02 घंटे
साम्पातिक काल	05:56:05 घंटे
सूर्योदय	06:29:52 घंटे
सूर्यास्त	17:03:04 घंटे
दिनमान	10:33:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	18:22:15 वृश्चिक
लग्न के अंश	05:19:33 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	परिघ
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लो-लोकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	05:19:33	322:53:16	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	18:22:15	01:00:52	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			मेष	23:31:42	12:11:20	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	सम राशि
मंगल			धनु	09:24:32	00:45:38	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	मित्र राशि
बुध		अ	वृश्चि	24:47:55	01:33:37	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	सम राशि
गुरु			वृश्चि	29:29:34	00:13:31	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	मित्र राशि
शुक्र			धनु	15:12:17	01:14:26	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
शनि			कुंभ	24:20:39	00:01:23	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	स्वराशि
राहु	व		तुला	01:58:12	00:03:42	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	मित्र राशि
केतु	व		मेष	01:58:12	00:03:42	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष			मक	04:08:59	00:02:43	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
नेप			धनु	29:57:03	00:01:49	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	07:08:56	00:02:21	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			मिथु	05:18:12	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:07

लग्न-चलित

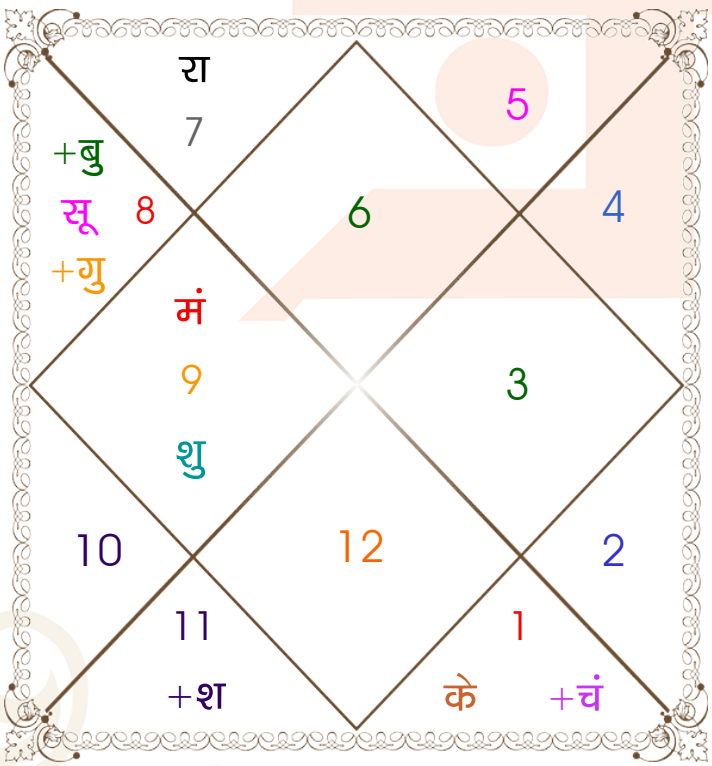

चन्द्र कुंडली

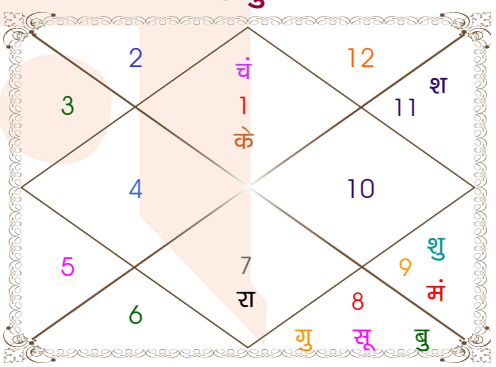

नवमांश कुंडली

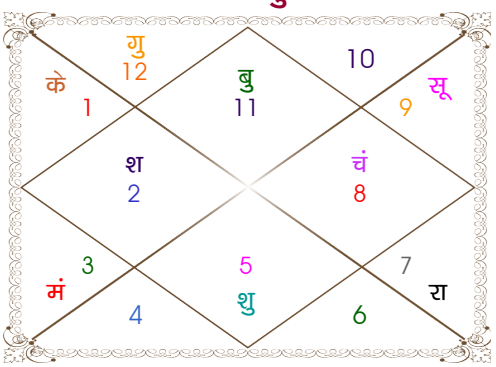

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 4 वर्ष 8 मास 14 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
05/12/1995		19/08/2000		19/08/2006		19/08/2016		20/08/2023	
19/08/2000		19/08/2006		19/08/2016		20/08/2023		19/08/2041	
	00/00/0000	सूर्य	06/12/2000	चंद्र	20/06/2007	मंगल	15/01/2017	राहु	02/05/2026
	00/00/0000	चंद्र	07/06/2001	मंगल	19/01/2008	राहु	03/02/2018	गुरु	24/09/2028
	00/00/0000	मंगल	13/10/2001	राहु	20/07/2009	गुरु	09/01/2019	शनि	01/08/2031
	00/00/0000	राहु	07/09/2002	गुरु	19/11/2010	शनि	18/02/2020	बुध	18/02/2034
	00/00/0000	गुरु	26/06/2003	शनि	19/06/2012	बुध	14/02/2021	केतु	08/03/2035
	05/12/1995	शनि	07/06/2004	बुध	18/11/2013	केतु	14/07/2021	शुक्र	08/03/2038
शनि	19/08/1996	बुध	13/04/2005	केतु	20/06/2014	शुक्र	13/09/2022	सूर्य	31/01/2039
बुध	20/06/1999	केतु	19/08/2005	शुक्र	18/02/2016	सूर्य	19/01/2023	चंद्र	01/08/2040
केतु	19/08/2000	शुक्र	19/08/2006	सूर्य	19/08/2016	चंद्र	20/08/2023	मंगल	19/08/2041

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
19/08/2041		19/08/2057		19/08/2076		19/08/2093		20/08/2100	
19/08/2057		19/08/2076		19/08/2093		20/08/2100		00/00/0000	
गुरु	07/10/2043	शनि	22/08/2060	बुध	16/01/2079	केतु	15/01/2094	शुक्र	20/12/2103
शनि	20/04/2046	बुध	02/05/2063	केतु	13/01/2080	शुक्र	17/03/2095	सूर्य	20/12/2104
बुध	26/07/2048	केतु	10/06/2064	शुक्र	13/11/2082	सूर्य	23/07/2095	चंद्र	20/08/2106
केतु	01/07/2049	शुक्र	11/08/2067	सूर्य	19/09/2083	चंद्र	21/02/2096	मंगल	21/10/2107
शुक्र	01/03/2052	सूर्य	23/07/2068	चंद्र	18/02/2085	मंगल	19/07/2096	राहु	20/10/2110
सूर्य	19/12/2052	चंद्र	21/02/2070	मंगल	15/02/2086	राहु	07/08/2097	गुरु	20/06/2113
चंद्र	20/04/2054	मंगल	02/04/2071	राहु	03/09/2088	गुरु	14/07/2098	शनि	06/12/2115
मंगल	27/03/2055	राहु	06/02/2074	गुरु	10/12/2090	शनि	23/08/2099		00/00/0000
राहु	19/08/2057	गुरु	19/08/2076	शनि	19/08/2093	बुध	20/08/2100		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 4 वर्ष 8 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरूष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।